



Rapid Fire (करेंट अफेयर्स): 05 फरवरी, 2022

अंतरराष्ट्रीय मानव बंधुत्व दविस

सांस्कृतिक एवं धार्मिक सहष्णिता और सह-अस्तित्व को बढ़ावा देने हेतु प्रत्येक 04 फरवरी को 'अंतरराष्ट्रीय मानव बंधुत्व दविस' का आयोजन किया जाता है। यह दविस पहली बार वर्ष 2021 में संयुक्त राष्ट्र (UN) द्वारा आयोजित किया गया था। यह दिन विभिन्न धार्मिक समूहों के बीच संवाद के साथ-साथ सभी मनुष्यों के बीच साझा मूल्यों को बढ़ावा देता है। संयुक्त राष्ट्र के मुताबिक, यह विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक समूहों के बीच सहष्णिता एवं सम्मान, शांति और स्थिरता का पारस्परिक विकास करने में मदद कर सकता है। गौरतलब है कि 4 फरवरी, 2019 को पोप फ्रांसिस और अल-अज़हर के ग़ैड इमाम अहमद अल-तैयब के बीच बैठक के परिणामस्वरूप 'वशिव शांति एवं एकजुटता हेतु मानव बंधुत्व दस्तावेज़' पर हस्ताक्षर किये गए थे। इस महत्त्वपूर्ण अवसर को चिह्नित करने और दस्तावेज़ में प्रतिपादित शांति संबंधी मूल्यों को बढ़ावा देने के लिये संयुक्त राष्ट्र ने 'अंतरराष्ट्रीय मानव बंधुत्व दविस' को आयोजित करने की घोषणा की थी। इस दविस को पहली बार 4 फरवरी, 2021 को 'संयुक्त राष्ट्र सभ्यताओं के गठबंधन' (UNAOC) द्वारा मानव बंधुत्व की उच्च समिति और संयुक्त अरब अमीरात एवं मसिर के स्थायी मशिनों के साथ संयुक्त राष्ट्र में आयोजित एक कार्यक्रम के साथ चिह्नित किया गया था।

वशिवदियालय अनुदान आयोग

जवाहरलाल नेहरू वशिवदियालय के उप-कुलपति जगदीश कुमार को वशिवदियालय अनुदान आयोग का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। जगदीश कुमार को पदभार ग्रहण करने की तथिसे पाँच वर्ष की अवधिया 65 वर्ष की आयु तक के लिये नियुक्त किया गया है। गौरतलब है कि जवाहरलाल नेहरू वशिवदियालय के उप-कुलपति के रूप में जगदीश कुमार का पाँच वर्षीय कार्यकाल पछिले वर्ष जनवरी माह में समाप्त हो गया था, लेकिन उन्हें उत्तराधिकारी चुने जाने तक पद पर बने रहने के लिये कहा गया था। जगदीश कुमार की नियुक्ति ऐसे समय में हुई है, जब सरकार राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 में परिकल्पित 'उच्च शिक्षा आयोग' को लॉन्च करने हेतु संघर्ष कर रही है। इस 'उच्च शिक्षा आयोग' में वशिवदियालय अनुदान आयोग और अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (AICTE) जैसे मौजूदा नियामक निकायों को शामिल किया जाना है। वशिवदियालय अनुदान आयोग 28 दिसंबर, 1953 को अस्तित्व में आया था, जिसके पश्चात् शिक्षा मंत्रालय के तहत यूजीसी अधिनियम, 1956 द्वारा यह भारत सरकार का एक वैधानिक संगठन बन गया। UGC के जनादेश में वशिवदियालय शिक्षा को बढ़ावा देना एवं समन्वय स्थापित करना; वशिवदियालयों में शिक्षण, परीक्षा एवं अनुसंधान के मानकों का निर्धारण करना और शिक्षा के न्यूनतम मानकों पर नियम बनाना शामिल हैं।

शीतकालीन ओलंपिक का राजनीतिक बहष्कार

गलवान घटना में शामिल एक चीनी सैनिक को ओलंपिक मशाल वाहक के रूप में चुनने के बीजगि के कदम की नदि करते हुए भारत ने शीतकालीन ओलंपिक के राजनीतिक बहष्कार की घोषणा की है। इसका अर्थ है कि भारत राजनयिक स्तर पर ओलंपिक का बहष्कार करेगा, हालाँकि इस आयोजन में भारतीय एथलीट शामिल होंगे। ज्ञात हो कि पछिले वर्ष सितंबर माह में भारत ने बर्क्स के संयुक्त बयान का समर्थन किया था, जिसके मुताबकि 'सभी देश बीजगि 2022 शीतकालीन ओलंपिक और पैरालंपिक खेलों की मेज़बानी हेतु चीन को अपना समर्थन प्रदान करते हैं।' वदिति हो कि शीतकालीन ओलंपिक उन खेलों की प्रमुख प्रतियोगिता है जो बर्फ पर खेले जाते हैं। यह प्रत्येक चार वर्ष में आयोजित किया जाता है और इसमें दुनिया भर के प्रतभागी शामिल होते हैं। आइस स्केटिंग, आइस हॉकी, स्कीइंग तथा फगिर स्केटिंग कुछ लोकप्रिय खेल हैं, जो शीतकालीन खेलों में खेले जाते हैं। पहला शीतकालीन ओलंपिक वर्ष 1924 में फ्रांस के शैर्मॉनक्स में आयोजित किया गया था। भारत वर्ष 1964 से इन खेलों में हसिसा ले रहा है।

शलांग टेक्नोलॉजी पार्क

मेघालय के मुख्यमंत्री कौनराड के. संगमा ने हाल ही में शलांग में 'शलांग टेक्नोलॉजी पार्क' का उद्घाटन किया है। यह टेक्नोलॉजी पार्क मेघालय के आईटी पेशेवरों को अपने गृह राज्य में कार्य करने का सुनहरा अवसर प्रदान करेगा। साथ ही इसका उद्देश्य दुनिया भर में काम कर रहे मेघालय के युवाओं को अपने गृह राज्य की ओर आकर्षित करना है। 'शलांग टेक्नोलॉजी पार्क' प्रौद्योगिकी के विभिन्न पहलुओं का एक मंच पर अभिसरण करेगा। यह टेक पार्क उद्योग, शिक्षावर्धन और सरकारी हतिधारकों के सहयोग से 'इन्क्यूबेशन केंद्रों' का भी समर्थन करेगा। टेक पार्क को प्लग-एंड-प्ले मॉडल के आधार पर डिज़ाइन किया गया है। इस परियोजना का पहला चरण पूरा कर लिया गया है, जो कि राज्य सरकार द्वारा वतितपोषित है। वहीं बाद के चरणों के लिये 'शलांग प्रौद्योगिकी पार्क' को सार्वजनिक-नजी भागीदारी (PPP) मॉडल पर संचालित किया जाएगा।

